जबलपुर का नम्बर 1 अखबार यश भारत 16 वें वर्ष में प्रवेश

आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ

● वर्ष- 16 अंक 9 ● कटनी ● बुधवार, 9 फरवरी, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● माघ शुक्ल पक्ष-9 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिन करें

WWW.yashbharat.co.in

आज धरती से टकरा सकता है सौर विस्फोट

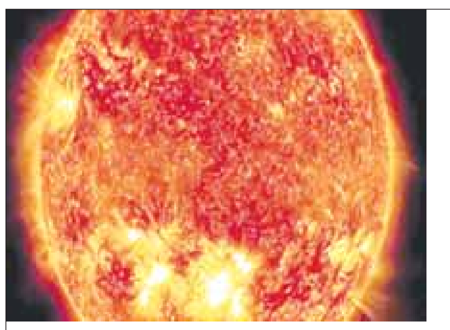

नई दिल्ली । बुधवार और गुरुवार को धरती से एक और नए खतरे का सामना करना पड़ेगा। आज नया सूर्य विस्फोट पृथ्वी से टकराने की तैयारी में है। इससे बुधवार व गुरुवार को भू-चुंबकीय तूफान आने की आशंका है। इससे एक सप्ताह पहले भी ऐसा ही तूफान आया था, जिसका कोई बड़ा असर सामने नहीं आया है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एज्युकेशन एंड रिसर्च के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन स्पेस साइंसेस ने सोलर इरप्शंस व भू-चुंबकीय तूफान के बारे में ट्वीट कर जानकारी दी है। सीईएसएस के अनुसार 6 फरवरी को सूर्य के दक्षिणी हिस्से में एक फिलामेंट विस्फोट देखा गया था। इस सौर विस्फोट को सोलर हेलिओस्फेरिक आब्जर्वेटरी मिशन के लार्ज एंगल एंड स्पेक्ट्रोमेट्रिक कोरोनाग्राफ ने रेकॉर्ड किया था। एसओएचओ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का साझा मिशन है। सूरज का अध्ययन करने के लिए इस मिशन की स्थापना 1995 में की गई थी। सीईएसएस ने ट्वीट में कहा है कि पृथ्वी को 9 फरवरी को भारतीय समयानुसार सुबह 11.18 बजे से लेकर 10 फरवरी की दोपहर 3.23 बजे तक मध्यम स्तर के भू-चुंबकीय तूफान का सामना करना पड़ सकता है। इसकी क्षमता 451-615 किलोमीटर प्रति सेकंड हो सकती है। इसका असर बहुत खतरनाक होने की संभावना नहीं है। सौर तूफान के कारण भू-चुंबकीय गतिविधि बढ़ सकती है।

भू-चुंबकीय तूफान की आशंका

संचार तंत्र, प्रसारण में हो सकती है दिक्कत

भू चुंबकीय तूफान के कारण संचार तंत्र, प्रसारण, रेडियो नेटवर्क, नेविगेशन आदि में दिक्कत आ सकती है। धरती पर सौर तूफान का सबसे भयावह रूप मार्च, 1989 में देखने को मिला था, तब सौर तूफान की वजह से कनाडा के हाइड्रो-क्यूबेक इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन सिस्टम 9 घंटे के लिए ब्लैक आउट हो गया था।

क्या होते हैं भू-चुंबकीय तूफान

भू-चुंबकीय तूफान के कारण पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में बड़ा बदलाव आता है।

मंगल ग्रह पर दिखा एक फीट का एलियन?

नई दिल्ली। मंगल ग्रह पर दिखा एक फीट का एलियन? एक्सपर्ट ने किया चौंकाने वाला खुलासा वैज्ञानिक मंगल ग्रह जीवन की खोज कर रहे हैं। नासा के रिसर्च के लिए क्यूरियोसिटी रोवर को लाल ग्रह पर उतारा है। यह रोवर मंगल की फोटोज और जानकारियां लगातार भेज रहा है। वहीं एक यूएफओ एक्सपर्ट ने रोवर द्वारा भेजी गई तस्वीर पर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि एक फोटो में एलियन दिखाई दे रहा है। दरअसल नासा के रोवर ने मंगल ग्रह से कुछ फोटोज भेजी थीं। यूएफओ एक्सपर्ट स्कॉट सी वरिंग ने दावा किया कि इनमें से एक फोटो में एलियन नजर आ रहा है। उन्होंने मंगल ग्रह पर 100त्न जीवन होने का दावा किया है। वरिंग ने कहा, च्लाल ग्रह पर रहने वाले हमसे अधिक बुद्धिमान हैं। उन्होंने तस्वीरों में कुछ जगहों को चिन्हित किया है ज् दावा किया कि उसमें एक एलियन दिखाई दे रहा है।

मप्र में नहीं लगेगा हिजाब पर प्रतिबंध: डॉ. नरोत्तम मिश्रा

यह कर्नाटक राज्य का मामला है जो हाई कोर्ट में विचाराधीन है

भोपाल, यश भारत। हिजाब पर प्रतिबंध को लेकर प्रदेश सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। गृह मंत्री व सरकार के प्रवक्ता डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध करने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन नही है।

मीडिया से चर्चा करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि हिजाब को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है जबकि सच्चाई यह है कि हिजाब पर प्रतिबंध लगाने का कोई प्रस्ताव ही सरकार के पास विचाराधीन नही है ।जब प्रस्ताव ही नहींहै तो हिजाब पर प्रतिबंध की बात ही बेमानी हो जाती है ।गृह मंत्री डॉ मिश्रा ने कहा कि हिजाब का मामला कर्नाटक का है वहां भी यह मामला हाईकोर्ट में लंबित है । कोर्ट के फैसले से पहले ही काँग्रेस इस मामले को तूल देकर फिर एक बार साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर रही है ।गृह मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून का राज है और यहां की शांति भंग करने की किसी को इजाजत नहीं है जो भी यह प्रयास करेगा उसे उसकी सजा भुगतनी होगी। बता दें कि कर्नाटक में स्कूलों में हिजाब को लेकर चल रहे विवाद के बीच मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने मंगलवार को कहा था कि हिजाब ड्रेस का हिस्सा नहीं है, इसलिए इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश के स्कूलों में ड्रेस कोड लागू किया जाएगा, ताकि सभी स्कूली विद्यार्थियों में समानता की भावना सुनिश्चित की जा सके ।उनके इस बयान के बाद प्रदेश में आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया था।

एक महिला का अधिकार है कि वह क्या पहनना चाहती है : प्रियंका

नई दिल्ली। कर्नाटक में जारी हिजाब विवाद में अब मलाला युसूफजई के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी भी कूद गई हैं। प्रियंका के बयान से यह विवाद और तूल पकड़ सकता है। प्रियंका गांधी ने बुधवार को कहा कि महिलाएं बिकनी पहनें या हिजाब, यह उनकी पसंद है। इस मामले में किसी को सलाह देने का कोई अधिकार नहीं है। कर्नाटक के उडुपी कॉलेज से शुरू हुआ हिजाब विवाद अब तेजी से फैलता जा रहा है। इसे लेकर देश-विदेश से प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। उधर, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्बई ने बुधवार को बैठक बुलाई है, इसमें हिजाब विवाद पर विचार होगा। राज्य में तीन दिन के लिए स्कूल कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर लिखा, चबिकनी पहनें, घूंघट पहनें, जींस पहनें या फिर हिजाब, यह महिलाओं का अधिकार है कि वह क्या पहनें और यह अधिकार उसे भारत के संविधान से मिला है। भारत का संविधान उसे कुछ भी पहनने की गारंटी देता है। इसलिए महिलाओं को प्रताड़ित करना बंद करें।

मलाला ने की अपील, तालिबान ने यह कहा

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला ने महिलाओं को पढ़ने से वंचित नहीं करने की अपील की है। उधर, अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान ने भी इस पर अपनी राय प्रकट की है। तालिबान का कहना है कि अफगानिस्तान में महिलाओं को पर्दे में रहना होगा।

राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा का प्रेस काउंसलिंग को लेकर ट्वीट

पहले परिषद दांतों के बिना थी, आज यह दांतहीन है

जबलपुर, यशभारत। कांग्रेस नेता राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने प्रेस काउंसिल इंडिया की व्यवस्थाओं को लेकर ट्वीट किया है। राज्यसभा सांसद ने ट्वीट के माध्यम से कहा कि पहले परिषद दांतों के बिना थी, आज यह दांतहीन हो गई । नवंबर माह से अध्यक्ष पद खाली है। आश्चर्य है कि 21 नवंबर से प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष का पद खाली क्यों है। भारत एक कामकाजी प्रेस परिषद के बिना है संचालित हो रहा है।

मीडिया में क्या हो रहा है कौन देख रहा है। कांग्रेस नेता श्री तन्खा ने कहा कि प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया अध्यक्ष पद खाली है सवाल उठता है कि अब मीडिया में क्या हो रहा है यह देखने वाला कौन है ।एक कामकाजी प्रेस परिषद का अध्यक्ष पद खाली होना कई सवालों को जन्म दे रहा है। सरकार को इस ओर ध्यान देकर अध्यक्ष के खाली स्थान को भरना चाहिए।

तुर्की में मिली अजीबोगरीब बकरी

नई दिल्ली। तुर्की में एक अजीबोगरीब बकरी का पता चला है। जिसकी आंखे खोपड़ी के बीच में है। बकरी के मालिक अहमत करताल ने कहा कि वो पिछले 25 सालों से जानवरों को पाल रहे हैं। लेकिन कभी ऐसा जानवर नहीं देखा। जिसकी आंखे उसके सिर के बीच हों। अहमत करताल ने कहा कि जब उसे पता चला कि एक बकरी पैदा हुई है, वो मौके पर पहुंच गया। लेकिन बकरी को देखकर हैरान रह गया। बकरी की आंखें खोपड़ी के बिल्कुल बीच में थीं। उन्होंने कहा कि बकरी को देखने के बाद ऐसा लगा कि साइक्लोप (ष््4ष्द्मश्चह्य) है। जिसे ग्रीक की पौराणिक कथाओं में एक भयानक जानवर बताया गया है। बकरी के मालिक ने कहा कि जो भी इस अजीबोगरीर बकरी को देखता है, वो हक्का बक्का रह जाता है।

नकली रेमडेसिविर

इंदौर में रेमडेसिविर बताकर लगा दिए थे नमक व ग्लूकोज के इंजेक्शन

इंदौर, । चर्चित नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन कांड में प्रवर्तन निदेशालयस (ईडी) ने दवा माफिया कौशल वोरा, पुनित शाह और अस्पताल संचालक सरबजीतसिंह मोखा के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। नकली दवा-इंजेक्शन बना कर सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर देश की पहली बड़ी कार्रवाई है। एजेंसी अस्पताल बंद करवाने की तैयारी में भी है ।कोरोना की दूसरी लहर में विजय नगर थाना पुलिस ने नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन की खरीद फरोख्त करने वाले गिरोह के सदस्यों को पकड़ा था। जांच में पता चला इंजेक्शन का कारखाना गुजरात के मोरबी में होना पाया। यह भी पता चला कि दवा माफिया कौशल वोरा, पुनित शाह एक फार्म हाउस पर नकली इंजेक्शन बना कर सुनील मिश्रा (खंडवा रोड़) के माध्यम से इंदौर, भोपाल और जबलपुर में धड़ल्ले से इंजेक्शन की सप्लाई कर रहा था। नमक और ग्लोकोज से बने हजारों इंजेक्शन कोविड-19 से जूझ रहे मरीजों को लगा दिए गए थे। जबलपुर के अस्पताल संचालक सरबजीतसिंह मोखा तो खुद के अस्पताल में भर्ती मरीजों को नकली इंजेक्शन लगा रहा था। इस मामले में गुजरात, इंदौर, भोपाल व जबलपुर में केस दर्ज हुए। दो महीने पूर्व ईडी ने टीआइ तहजीब काजी से रिपोर्ट मांगी और दो दिन पूर्व मामले में केस दर्ज कर लिया। पुलिस को जांच में पता चला आरोपितों द्वारा जो इंजेक्शन बनाए वो एक ही बैच से थे। एक आरोपित ने इंजेक्शन बनाने के पहले मुंबई से रेमडेसिविर इंजेक्शन खरीदा और हूबहू रेपर व शीशी खरीदी।

एक ही बैच से खुला जानलेवा इंजेक्शन का राज

ये इंडियन आर्मी है:पहाड़ों पर अब तक के सबसे खतरनाक ऑपरेशन को दिया अंजाम

खड़ी खाई से युवक को जिंदा निकाल लाए

नई दिल्ली । केरल के पलक्कड़ में पहाड़ियों में फंसे एक ट्रैकर को बचाने के लिए भारतीय सेना ने अब तक के सबसे कठिन ऑपरेशन को अंजाम दिया। करीब 48 घंटे के कठिन ऑपरेशन के बाद भारतीय सेना के जवान मलमपुझा की पहाड़ियों में फंसे युवक को सुरक्षित बचाने में कामियाब हो गए हैं। न्यूज एजेंसी की ओर से इसकी तस्वीरें भी साझा की गई हैं। इस ऑपरेशन के लिए सेना ने अपनी मद्रास रेजीमेंट और पैराशूट रेजीमेंट को उतारा था। सेना की ओर से बताया गया कि 23 साल का युवक आर बाबू ट्रैकिंग करने आया था, लेकिन वह मलमपुझा के पहाड़ों में बनी खड़ी खाई में गिर गया और उसमें ही फंस गया। इसके बाद युवक के दोस्तों ने इसकी जानकारी प्रशासन को दी। इसके बाद सरकार की ओर से सेना से मदद मांगी गई, जिसके बाद भारतीय सेना ने मद्रास रेजीमेंट सेंटर, वेलिंगटन से 12 कर्मियों की एक टीम रवाना किया, इसके कुछ ही देर बात पैराशूट रेजीमेंट सेंटर, बेंगलुरु से 22 कर्मियों की दूसरी टीम को भी बचाव कार्य में लगाया गया।

युवक की निगरानी के लिए लगाए गए ड्रोन

बचाव दल युवक से 200 मीटर की दूरी तक पहुंच गया था, लेकिन खड़ी खाई होने के कारण उस तक पहुंचना आसान नहीं था। युवक तक खाने-पीने का सामान पहुंचाने का प्रयास असफल रहा। हालांकि, इसके बाद सेना ने ड्रोन की मदद से युवक के स्वास्थ्य की निगरानी की। भारतीय सेना की ओर से चलाए गए ।

उप्र की 58 सीटों पर पहले चरण का मतदान कल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को होने जा रहा है। पहले चरण में 11 जिलों की 58 सीटों पर प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी। 18वीं विधानसभा के गठन के लिए 10 फरवरी को होने वाले पहले चरण के मतदान वाले क्षेत्रों में चुनाव प्रचार का शोरगुल मंगलवार शाम छह बजे थम गया। पहले चरण में जिन जिलों में मतदान होना है उनमें शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा और आगरा हैं। पहले चरण में कुल 623 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

शेयर बाजार की मजबूत शुरुआत

मुंबई। शेयर बाजार की आज मजबूत शुरुआत हुई है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में बाजार की शुरुआत हरे निशान के साथ हुई। बीएसई का 30 स्टॉक्स पर आधारित प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 354 अंकों की तेजी के साथ 58163 के स्तर पर खुला तो निफ्टी ने 17370 के स्तर से आज दिन के कारोबार की शुरुआत की । शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 189 अंकों की तेजी के साथ 57811 के स्तर पर था तो निफ्टी 110 अंकों की बढ़त के साथ 17377 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

मध्यप्रदेश में हिन्दी माध्यम से होगी एमबीबीएस की पढ़ाई

भोपाल। मध्यप्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने मंगलवार को बताया कि प्रदेश में एमबीबीएस पाठ्यक्रम को छात्रों को हिन्दी माध्यम में पढ़ाने की तैयारी चल रही है। राज्य में इसकी शुरुआत शासकीय गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल से की जाएगी। एमबीबीएस की शिक्षा हिन्दी माध्यम से देने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य होगा।

एमबीबीएम पाठ्यक्रम को हिन्दी पढ़ाने की शुरुआत

सारंग ने बताया कि हिन्दी में एमबीबीएस पाठ्यक्रम निर्धारित करने की कार्ययोजना तैयार करने और इस पर रिपोर्ट देने के लिए मध्यप्रदेश चिकित्सा शिक्षा संचालक डॉ. जितेन शुक्ला की अध्यक्षता में 14 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है ।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गणतंत्र दिवस पर प्रदेशवासियों के नाम अपने संदेश में राज्य में एमबीबीएस सहित सभी चिकित्सा शिक्षा हिन्दी माध्यम में दिए जाने की घोषणा की थी। तभी चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इसे लागू करने की दिशा में काम शुरू कर दिया था।

बिहार में कृषि विभाग में 231 पदों पर शीघ्र होगी नियुक्ति

गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल से इसकी शुरुआत करने का निर्देश दिया गया है। वहां एमबीबीएस पाठ्यक्रम को हिन्दी माध्यम में (अंग्रेजी माध्यम के साथ-साथ) पढ़ाने की शुरुआत अगले शिक्षण सत्र से की जाएगी। बताया गया कि पहले चरण में चिकित्सा से जुड़े पाठ्यक्रमों की कक्षाओं में शिक्षकों द्वारा यथा-संभव अधिकतम हिन्दी भाषा का उपयोग किया जाएगा।

तीन विषयों की किताबें हिंदी में होंगी

दूसरे चरण में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के तीन विषयों (एनाटॉमी, फिजियोलॉजी एवं बायो-केमेस्ट्री) की पूरक संदर्भ पुस्तकों को हिन्दी भाषा में तैयार किया जाएगा। इस कार्ययोजना को पूरा करने के लिए समितियों का गठन किया गया है।

देश में 69,544 नए केस, 1215 मौतें

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 69,544 मामले मिले हैं। इससे एक दिन पहले सोमवार को संक्रमण के 67,597 नए केस सामने आए थे। उसके मुकाबले मंगलवार को केसेस में मामूली ब?ोतरी हुई है। इस दौरान 1.72 लाख मरीज ठीक हुए और 1,215 कोरोना संक्रमितों की जान गई। देश में फिलहाल 8.83 लाख लोग कोरोना का इलाज कर रहे हैं। देश में महामारी की शुरुआत से अब तक कुल 4.24 करोड़ लोग संक्रमण की चपेट में आए हैं। देश में पिछले 8 दिनों में 6वीं बार कोरोना से मरने वालों की संख्या 1,000 से ज्यादा रही है। हालांकि, मामलों में लगातार गिरावट हो रही है। फरवरी के 8 दिनों में कोरोना के रोजाना के मामलों में 57त्न की गिरावट दर्ज की गई है।

पन्ना में महिला ने बच्चों के साथ केरोसिन डालकर लगाई आग

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मां ने अपने बेटे और बेटी को गोद में बैठाकर मिट्टी का तेल डाल खुद को आग के हवाले कर दिया। घटना में डेढ़ साल की बच्ची और मां की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि 4 साल का मासूम बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना पन्ना जिले के सलेहा थाना क्षेत्र के ग्राम कठवरिया की है। बताया जा रहा है कि यहां के रहने वाले राजेश कोरी बकरी चराने गए थे। उसी दौरान उनके माता-पिता भागवत कथा सुनने गए थे। घर पर उनकी पत्नी द्रौपदी अपनी 4 साल के बेटे और डेढ़ साल की बेटी के साथ थी। महिला ने दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और बेटा-बेटी पर केरोसीन डालकर पास बैठा लिया और खुद पर भी डाल लिया। इसके बाद बच्चों के साथ खुद को आग लगा ली। राजेश के माता-पिता जब घर आए तो अंदर से उठता धुआं देखकर परेशान हो गए। शोर मचाकर मोहल्ले के लोगों को एकत्र किया और जब लोगों ने दरवाजा खोलकर अंदर देखा तो घर का नजारा देखकर सभी के होश उड़ गए।

मां-बेटी की मौत, बेटा झुलसा

दहेज का सामने आया मामला

द्रौपदी और उसकी डेढ़ साल की बेटी पूरी तरह आग में झुलस चुकी थी और दोनों की मौत हो गई थी। जबकि 4 साल का बेटा आग में झुलसने की वजह से दर्द से कराह रहा था। मामले में दहेज प्रताड़ना की बात भी सामने आ रही है। पुलिस अधीक्षक पन्ना का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

केन बेतवा लिंक से मिले फायदा, उद्गम स्थल का हो विकास

देश की बड़ी परियोजना से 70 किलोमीटर तक फायदा पर कटनी को क्यों नहीं ?

कटनी। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था नदियों को जोड़ना जिसका उद्देश्य था जिन नदियों में भरपूर जल है उनसे कम जल वाली नदियों को पाली मिल सके बाढ़ की विभिषिका कम हो तथा सूखा क्षेत्र में जल की समस्या का स्थायी हल हो। इसी परियोजना के तहत केन नदी और बेतवा नदी को जोड़ने की यह परियोजना जिसे केन बेतवा लिंक परियोजना नाम दिया गया है इसकी स्वीकृति प्राप्त हो गई है। परियोजना के लिए बजट में आवंटन भी हो चुका है। लेकिन सवाल यह है कि कटनी से महज 70 किलोमीटर दूर इस परियोजना काा लाभ पन्ना जिले को मिल रहा है पर कटनी इससे अछूता है। ठीक उसी तरह जिस तरह बरगी दायीं तट नहर कटनी से करीब 30 किलोमीटर दूर से गुजर रही है और तो और कटनी नदी को क्रास भी कर रही है लेकिन इसका भी फायदा कटनी को नहीं मिल पा रहा।

लिफ्ट इरीगेशन से मिल सकता है फायदा

जानकार बताते है कि इस परियोजना से कटनी से सटे शाहनगर खड़ौला होकर कटनी को भी जलापूर्ति की योजना बनाई जा सकती है जिसमे लिफ्ट इरीगेशन पद्धती का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे पानी को कटनी तक पहुंचाया जा सकता है। जानकारों का यह भी कहना है कि कटनी के लिए यह भी सकरात्मक है कि राजनीतिक परिदृश्य भी कटनी के फेवर में है।

सांसद पहल करें तो हल हो सकती है कटनी की जल समस्या

कटनी चूंकी खजुराहो लोकसभा क्षेत्र में आती है लिहाजा यहां के लिए अगर क्षेत्रीय सांसद व्ही डी शर्मा इस प्रस्ताव पर ध्यान दें तो केन बेतवा से बुंदेलखंड ही नहीं कटनी अर्थात महाकोशल को भी फायदा मिल सकता है। यूपी और एमपी के विवाद में यह परियोजना करीब दस वर्ष तक लटकी रही सांसद के प्रयासों से इस योजना कही स्वीकृति प्राप्त हुई अब अगर इस पर राजनीतिक इच्छाशक्ति कारगर हो तो कटनी को केन बेतवा लिंक परियोजना से जोड़कर यहां भी जल की भयावह होती समस्या का स्थायी हल खोजा जा सकता है।

तीन तरफ बड़ी नदियां और नहर फिर भी प्यासा

आपको बता दें कि यह कटनी का दुर्भाग्य है कि शहर तीन तरफ बड़ी नदियों से घिरा है बावजूद यहां की जल समस्या का निदान नहीं हो सका। कटनी से करीब 40 किलोमीटर दूर महानदी बहती है तो दूसरी तरफ करीब करीब इतनी ही दूरी पर नर्मदा का जल बरगी दायीं तट नहर के जरिये कटनी पहुंचता है। और अब कटनी से उद्गम हुई केन नदी जो पन्ना पहुंचते पहुंचते विशाल रूप ले लेती है। लेकिन अफसोस इन तीन नदियों के पास होने के बावजूद कटनी को इनका लाभ नहीं मिल पाता और कटनी से निकलने वाली कटनी नदी, उमरार नदी तथा सिमरार नदी लगभग सूखने की कगार पर हैं। सवाल यह है कि जब बरगी दायीं तट नहर जबलपुर से रीवा तक बनाई जा सकती है तब क्या केन बेतवा, बरगी दायीं तट या फिर महानदी से कटनी को पानी नहीं मिल सकता।

नदी के उद्गम से जुड़ा है प्रेम कहानी का दर्दनाक अंत

जानकार मानते हैं कि केन नदी का उद्गम मध्यप्रदेश के दमोह जनपद की पहाड़ी से हुआ शायद यह वही स्थान था जो रीठी के पास है। चूंकी तब कटनी जिला नहीं था लिहाजा इसे दमोह के पाास बताया गया । यह नदी प्रदेश के पन्ना खजुराहो से होते यूपी में बांदा जनपद के बिल्हरका गांव से प्रवेश करती है। नदी का उद्गम अथवा नाम केन कैसे पड़ा इसे लेकर किंवदंतियां हैं। किंवदंती के अनुसार, इस नदी का पुराना नाम कर्णवती था। एक बुजुर्ग ने बताया कि नदी के किनारे अक्सर एक प्रेमी युगल अठखेलियां किया करता था। बाद में किसी ने युवक की हत्या कर उसके शव को खेत के मेढ़ में दफना दिया। युवक की प्रेमिका ने ईश्वर से अपने प्रेमी का शव दिखाने की प्रार्थना की। तब अचानक जोरदार बारिश हुई, खेत का मेढ़ बह गया और शव उसके सामने नजर आया। शव देखते ही लडक़ी ने भी अपने प्राण त्याग दिए। इस घटना के बाद यहां से नदी निकली और नदी का नाम कर्णवती से कन्या हो गया। कन्या का अपभ्रंश कयन और फिर केन हो गया। महाभारत में भी केन-एक कुमारी कन्या का उल्लेख मिलता है। रीठी में इस कहानी में जिस लडक़ी का उल्लेख किया जाता है उसका नाम किनिया बताया जाता है लोग मानते हैं कि किनिया से ही इस नदी का नाम केन पड़ा।

केन के उद्गम का हो पर्यटन केन्द्र जैसा विकास

जिले में कई ऐसी धरोहरें है जिन्हें शासन-प्रशासन ने विस्मृत कर दिया है। इन्ही धरोहरों में शामिल है देश की चुनिंदा बड़ी नदियों में से एक केन नदी का उद्गम स्थल। यह नदी कटनी जिले की रीठी तहसील से दो किलोमीटर दूर एक खेत से निकली है। जहां आज भी कई ऐसे प्रमाण मिलते हैं जिन्हें देखकर लगता है कि मुगल काल से पहले हिन्दु चंदेल शासकों ने इसे उद्गम स्थल के रूप में मान्यता दी थी, लेकिन अफसोस आज इस जगह को स्वतंत्र भारत में भुला दिया गया। जितना ही केन नदी का उद्गम स्थल अजीबो-गरीब है उतनी ही इसके उद्गम की कहानी भी आश्चर्यजनक है। रीठी के वासिंदे केन को एक देवी के रूप में पूजते हैं। तभी तो आज भी वह शव के अंतिम संस्कार के बाद अस्थियां तथा राख केन की उन पहाडिय़ों में डाल देते हैं जो आज भी एक रहस्य के समान हैं। रीठी के पास जिस खेत से इसके निकलने को लोग मानते हैं वहां से कुछ दूरी पर ही सुनसान स्थल पर चट्टानों के बीच कई पुरातात्विक स्तंभ, मूर्तियां, अवशेष बिखरे पड़े हैं। केन जिसे कर्णवती भी कहा जाता है । यह यमुना की एक उपनदी या सहायक नदी है जो बुन्देलखंड क्षेत्र से गुजरती है। दरअसल मंदाकिनी तथा केन यमुना की अंतिम उपनदियाँ हैं क्योंकि इस के बाद यमुना गंगा से जा मिलती है। रीठी के पास केन के उद्गम स्थल को नदियों की सीमाओं की खोज करने वाली यूएसए की आन लाइन लाइब्रेरी एस्कार्ट ने अपने रिकार्ड में समावेश किया है किन्तु भारत में इस नदी के विषय में सिर्फ इतना ही कहा जाता है कि यह दमोह-जबलपुर अथवा कैमूर पर्वत श्रंखलाओं से निकली है। इसके बाद की जानकारी पर किसी को ज्यादा इत्तिफाक नहीं। प्रदेश के छतरपुर जनपद में केन नदी के किनारे बसे गांव के लोग बताते हैं कि यह देश की ऐसी अकेली नदी है जो सात पहाड़ों का सीना चीरकर बह रही है। वैसे केन के उद्गम स्थल से कुछ दूरी के बाद से ही यह नदी छोटी-बड़ी पहाडिय़ों में खो जाती है। जैसे-जैसे नदी आगे बढ़ती है तमाम छोटी-छोटी नदियों के मिलने के बाद इसका विशाल रूप सामने आने लगता है।

अपराजिता महिला मंडल की बैठक में कई निर्णय

कटनी। गत दिवस संस्था अपराजिता महिला मंडल की बैठक हुई इस बैठक में कई निर्णय लिए गये। बैठक में कलेक्ट्रेट के अधिकारी और नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे मिीटिंग में चर्चा हुई कि स्व सहायता योजना से महिलाओं को आगे बढ़ने की दिशा दिखाना। ग्रुप में महिलाओं को जोड़ना एक दूसरे पर विश्वास करना और स्व सहायता का लाभ लेना और आने वाले विश्व महिला दिवस को लेकर चर्चा प्रमुख थीं। इस मीटिंग में लता खरे, सुमन रजक, निशा पंथी, पिंकी, भाग्यश्री, मुन्नी बाइ, शशि भाई, इंदिरा बाई, रजनी, विमला, रीना, रूपा, शारदा, दायमा, सुनीता, खुशी रचना, नीलिमा मसीह अध्यक्ष जय श्री उपाध्यक्ष केतकी दायर सह सचिव अलका गौर महासचिव / संस्थापक मौजूद थे। अध्यक्ष ने अंत में उपस्थित सभी लोग सभी का आभार प्रगट करते हुए कहा कि सामाजिक चेतना लाने के लिए इस तरह की बैठक प्रभावी होतीं हैं जिनके निर्णय से फायदा मिलता है चर्चाओं से कई अच्छे काम करने की प्रेरणा प्राप्त होती है।

चालानी कार्रवाई से परेशान हो रहे लोग

नगर निगम व कोतवाली पुलिस की जमकर चल रही मनमानी

कटनी। पिछले लगभग दो वर्षों से वैश्विक महामारी का लोग बड़ा दंश झेल रहे हैं। दूसरी लहर के बाद राहत मिली थी लेकिन अब तीसरी लहर का सिलसिला चल रहा है। हालांकि अब स्थिति काफी सामान्य है। कोविड वेरियंट ज्यादा असरकारक नहीं है, जिससे अब सख्ती भी कम हो गई है। स्कूल भी अब 50 फीसदी क्षमता के साथ खुल गए हैं। आयोजन-प्रयोजन भी हो रहे हैं। चाहे राजनीतिक हों या फिर प्रशासनिक बैठक आदि, कहीं पर भी सामाजिक दूरी का पालन नहीं हो रहा है। अधिकारी भी मास्क से परहेज कर रहे हैं लेकिन आम लोगों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। नगर निगम द्वारा कई जगह पर प्वाइंट लगाकर कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से लोग परेशान हो गए हैं। विकास दुबे ने कहा कि कोतवाली थाने के बाहर दोपहर लगभग 3 बजे से लगातार 3 घंटे तक नगर निगम कर्मचारी हाथ में प्लास्टिक का डंडा लिए सड़क घेराबंदी करके मास्क के नाम पर जुर्माना वसूल रहे हैं। वाहन चालकों की परेशानी यहीं खत्म नहीं हो रही, यदि आपने कोतवाली के बाहर दोपहर में मास्क के नाम पर जुर्माना दे दिया है तो कुछ घंटों के बाद यह सोच कर मास्क लगाकर कोतवाली के बाहर से मत निकलिए कि अब आपने मास्क लगा रखा है और जुर्माना नहीं होगा। दूसरी पाली में रात 7 बजे से कोतवाली पुलिस हेलमेट और वाहनों के कागजात के नाम पर जुर्माना वसूल रही है। इस तरह एक ही दिन और एक ही स्थान में दो अलग-अलग विभाग वाहन चालकों से जुर्माना वसूल रहे हैं। एक तो पेट्रोल महंगा और ऊपर से सड़क पर वाहन चलाना उससे भी महंगा। खिरहनी चौकी में भी जमकर हेलमेट और मास्क के नाम पर चालानी कार्रवाई हो रही है। आम लोगों ने प्रशासन, पुलिस व नगर निगम के अधिकारियों से चालानी कार्रवाई में राहत प्रदान करने की मांग की है।

टायर फटने के बाद सामने आ रहे ट्रक से टकराया ट्रक

दोनों के चालक घायल, एक गंभीर, हाइवे पर स्लीमनाबाद थाने के सामने सड़क दुर्घटना से आवागमन हुआ अवरूद्ध

कटनी। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 में स्लीमनाबाद थाने के ठीक सामने दो ट्रकों में आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी तेज थी कि दोनों ट्रकों के सामने की चालक स्टेरिंग के परखच्चे उड़ गए। भिड़ंत में दोनों ट्रकों के चालक घायल हुए हैं। जिसमें एक ट्रक के चालक को गंभीर चोट आई जिसे तत्काल उपचार के लिए जिला चिकित्सालय कटनी एम्बुलेंस से भेजा गया। वहीं दूसरे ट्रक के चालक को मामूली चोटें आई हुई है। मार्ग में भिड़ंत होने से आवागमन अवरुद्ध हो गया। मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी लंबी कतारे वाहनों की लग गईं। स्टेयरिंग में फंसे चालक की चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोग मदद के लिए पहुंचे और स्टेयरिंग में फंसे चालक को मशक्कत कर बाहर निकाला गया। मौके पर तत्काल स्लीमनाबाद पुलिस पहुंची। बताया गया कि जबलपुर से इलाहाबाद की ओर जा रहे ट्रक क्रमांक एम.पी.20एचबी-8106 का टायर अचानक फट जाने के कारण व गाड़ी के ब्रेक फेल होने से सामने की ओर से आ रहे ट्रक क्रमांक टी.एन.28बीए-8934 से भिड़ंत हुई। जिससे तमिलनाडु के चालक आर राजेश कुमार को गंभीर चोट आई है। भिड़ंत इतनी तेज थी कि तमिलनाडु का चालक ट्रक की स्टेरिंग में फंस गया और लगभग आधे घंटे की मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया। तत्काल एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय भेजा गया। वहीं दूसरे ट्रक के चालक प्रयागराज निवासी 40 वर्षीय विनोद कुमार को भी मामूली चोट आई है। जिसका प्राथमिक उपचार स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। मार्ग से ट्रको को क्रेन के सहारे सड़क से हटवाया गया, जिसके बाद आवागमन शुरू हुआ। स्लीमनाबाद टीआई संजय दुबे ने बताया कि दोनों ट्रक चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

भारी मात्रा में चोरी का सामान जप्त

बरही में कबाड़ियों के यहां पुलिस की छापेमारी

कटनी। चोरी और नकबजनी के अपराधों की रोकथाम के लिए बरही पुलिस ने कबाड़ियों के ठिकानों पर दबिश देकर चोरी का सामान जप्त किया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति रही। बरही थाना प्रभारी अरविंद जैन ने बताया कि पुलिस बल उपनिरीक्षक सीताराम बागरी, मीनाक्षी पन्द्रे, प्रधान आरक्षक अजय पाठक, व्यास गुप्ता, आरक्षक विवेक, अजीत और केशव के साथ बरही के सभी कबाड़ियों के ठिकानों पर अचानक दबिश दी गई। बरही पुलिस द्वारा अचानक की गई जांच के दौरान विजय साहू खितौली रोड बरही के ठिकाने पर से स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के लोहे के सामान एवं दो विद्युत सिंचाई मोटर चोरी की जप्त किए। एक अन्य कबाड़ी सुग्रीव साहू के ठिकाने से चोरी की पाइप लाइन जप्त की जाकर प्रकरण दर्ज किया गया है। कबाड़ियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। साथ ही अन्य तीन कबाड़ियों इंदिरा बाई चौधरी, सबूत चौधरी एवं संपत चौधरी अमरपुर रोड बरही के ठिकानों पर भी जांच की गई। बरही थाना प्रभारी अरविंद जैन ने सभी कबाड़ियों को निर्देशित किया है कि उन्हें अपने पास अनिवार्य रूप से रजिस्टर रखना होगा। जिनसे सामान खरीद रहे हैं उनका पूरा विवरण, मोबाइल नंबर और आईडी लेनी होगी। साथ ही उन्हें अपने काम के स्थान पर सीसीटीवी कैमरा भी अनिवार्य रूप से लगाना होगा, जिससे क्षेत्र में चोरी एवं नकबजनी की घटनाओं पर रोक लगाया जा सके।

कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में विभागीय कर्मचारियों की कमी से परेशान किसान

कटनी। बड़वारा तहसील मुख्यालय स्थित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में इन दिनों विभागीय कर्मचारियों की कमी का दंश किसानों के साथ साथ विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को भी झेलना पड़ रहा है। हासिल जानकारी अनुसार बड़वारा में वरिष्ठ कृषि विकास कार्यालय में विभागीय कर्मचारियों की कमी की वजह से क्षेत्र का कार्य एवं कार्यालय का कार्य प्रभावित हो रहा है। कृषि विभाग बड़वारा में अमले की अत्यधिक कमी है। बड़वारा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में 27 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों में से मात्र 4 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी ही पदस्थ हैं। जिनमें से कार्यालय का संचालन करने के लिए एक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी को कार्यालय का कार्य करने के लिए रखा गया है। कार्यालय में ना ही कोई भृत्य है और ना ही कोई अन्य कर्मचारी है, जिसके कारण किसानों को पीने का पानी भी नसीब नहीं हो पाता है। कार्यालय में साफ सफाई के लिए एक प्राइवेट मजदूर को बुलाकर कार्य करवाया जाता है। विभागीय कार्य कंप्यूटर एवं अन्य कार्य होने पर कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी को कार्यालय छोड़कर जाना पड़ता है। जिससे कार्यालय के कार्य प्रभावित होते हैं। यही स्थिति क्षेत्र की है कर्मचारियों की कमी की वजह से पूरे क्षेत्र का भ्रमण नहीं हो पाता हैं। वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी जिले की बैठकों एवं क्षेत्र का भ्रमण कर शासन द्वारा मांगी गई जानकारी प्राप्त कर वरिष्ठ कार्यालय को देते हैं। क्षेत्र के किसानों ने शासन से मांग की है कि बड़वारा स्थित कृषि विकास कार्यालय में विभागीय कर्मचारियों की कमी को तत्काल दूर कर ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पदस्थ किए जाएं।

फिर बिगड़ा मौसम का मिजाज

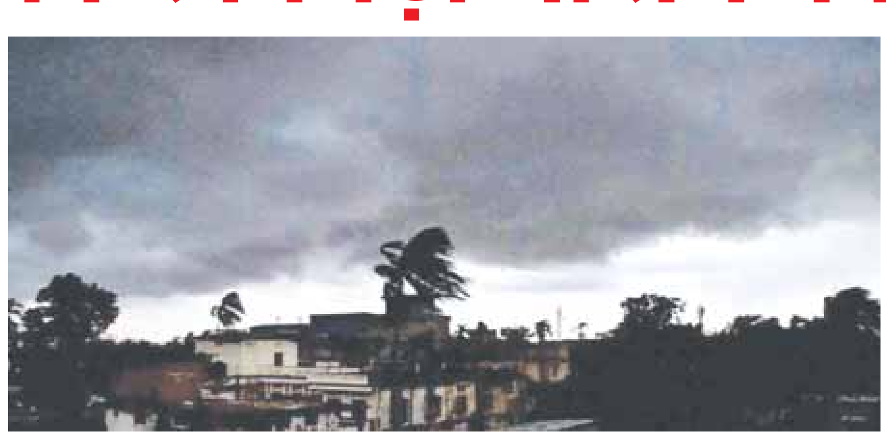

कटनी। मध्य प्रदेश और उसके आसपास बने सिस्टम के कारण मौसम का मिजाज एक बार फिर बिगड़ने लगा है। कटनी में इसकी झलक भी सुबह से दिखी। बादलों की ओट से सूरज के दर्शन कभी होते तो कभी दिन में कोहरे जैसी स्थिति बन जाती। हालांकि ठंड से राहत मिली लेकिन पूरे जिले में रह रह कर बूंदाबांदी तथा हवा में ठंडक होने से लोग ठिठुरते भी दिखे। कटनी के इस मौसम के बदलाव की आशंका एक दिन पहले ही यशभारत ने की थी जो आज सटीक निकली। बताया गया कि एक विक्षोभ की वजह से प्रदेश के कई हिस्सों में मंगलवार से बादल छाने का सिलसिला शुरू हो गया था जिसे देखते हुए मौसम विज्ञानियों ने मंगलवार को कहीं-कहीं बारिश होने की आशंका जताई थी। इसके अलावा मौसम विज्ञानियों ने बुधवार से पूर्वी मध्य प्रदेश के जबलपुर, शहडोल संभाग के जिलों में भी बारिश की आशंका जताई है. मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इन इलाकों में मौसम का मिजाज तीन से चार दिन तक बिगड़ा रह सकता है। वहीं, कटनी जिले में मंगलवार को अधिकतम तापमान भी बढ़ा दक्षिण-पूर्वी मप्र पर एक ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है. जिसके वजह से कर्नाटक तक एक द्रोणिका लाइन बनी हुई है। यही कारण है कि मध्य प्रदेश के मौसम में बदलाव हुआ। कटनी सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में बादल छाने लगे। इस सिस्टम के असर से कटनी जिले में अगले 24 घंटे में बारिश की संभावना जताई जा रही है।

सिटी मॉल बरही रोड में
अंतिम 1 दिन
रोजाना 3 शो ता. 28 से
1,4 एवं सायं 7.30 बजे से

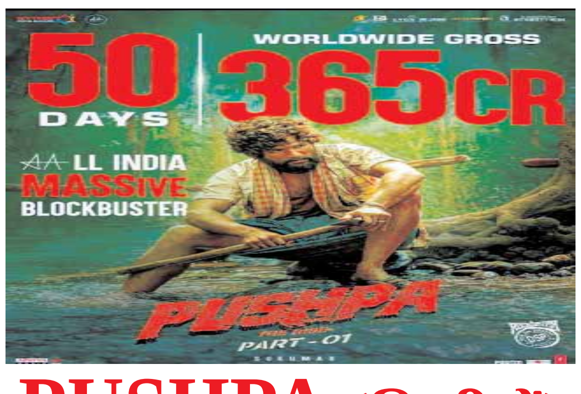

PUSHPA (हिन्दी में)
कलाकार- आलू अर्जुन, रश्मिका मदाना, फदाह फासिल, अनसुईया भारद्वाज आदि।

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 3 शो ता. 11 से 12.30, 3.30 एवं सायं 6.30 बजे से

खिलाड़ी
कलाकार- रवि तेजा, मीनाक्षी चौधरी, सचिन खेड़ेकर, मुकेश ऋषि आदि।

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 3 शो ता. 11 से
1,4 एवं सायं 7 बजे से

बधाई दो
कलाकार- राजकुमार राव, भूमि पेडनेकर शीबा चड्डा, हनी यादव आदि।

नीरज सिनेप्लेक्स में

ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 3 शो ता. 11 से 12,3 एवं सायं 6 बजे से
खिलाड़ी
(हिन्दी में)
कलाकार- रवि तेजा, मीनाक्षी चौधरी, सचिन खेड़ेकर, मुकेश ऋषि आदि।
टिकट दर- बॉक्स- 120/-, बालकनी क्लास- 100/- अपर क्लास-80/-, लोवर क्लास -60/-

यश भारत

सिटी न्यूज

आज की खबर अभी , आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT -Epaper

कटनी, बुधवार, 09 फरवरी 2022

घरों से गीला-सूखा कचरा अलग-अलग लेने के दावों की खुल रही पोल

जिम्मेदारों की लापरवाही, निर्देशों को रखा पर ताक पर, प्लांट में भी कचरा अलग-अलग रखने के कोई इंतजाम नहीं

कटनी। शहर में एक तरफ स्वच्छता अभियान संचालित हो रहा है, तो वहीं दूसरी ओर घरों से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग लेने की मुहिम फेल होती दिख रही है। नगर निगम द्वारा चलाई जा रही जागरूकता मुहिम का भी कोई असर होता नहीं दिख रहा है। इस पूरे मामले में एमएसडब्ल्यू कंपनी के जिम्मेदार अफसरों के साथ ही नगर निगम की भी लापरवाही सामने आ रही है।

जानकारी के मुताबिक घरों से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग लेने के बाद दुगाड़ी नाला स्थित प्लांट में इस कचरे को अलग-अलग रखने की बजाए एक साथ रखा जा रहा है, जिससे नगर निगम के इस दावे की भी पोल खुलती हुई नजर आ रही है, जिसमे यह कहा जा रहा है कि शहर में घरों से सूखा और गीला कचरा अलग-अलग लिया जा रहा है। खास बात यह है कि कचरा गाड़ी जब घरों से कचरा लेने के लिए जाती है तो लोगों द्वारा भी गीला और सूखा कचरा एक साथ दिया जा रहा है। इसको लेकर न तो लोगों को समझाईश दी जा रही है और न ही जागरूक किया जा रहा है। इस पूरे खेल में कंपनी के साथ ही नगर निगम के कतिपय अधिकारियों की भी सांठगांठ की बात सामने आ रही है। गौरतलब है कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के तहत शहर से निकलने वाले गीला-सूखा, ई-वेस्ट और घरेलू हानिकारक कचरा गाड़ियों में भी अलग-अलग एकत्रित करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन कटनी में इन निर्देशों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। जानकारी के मुताबिक घरों से सूखा और गीला कचरा अलग-अलग लेने के लिए कचरा गाड़ी में अलग-अलग 2 कम्पार्टमेंट भी बनाए गए हैं, लेकिन घरों से कचरा लेते समय इस बात का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। यह भी जानकारी मिली है कि दुगाड़ी नाला में जब गाड़ी शहर का कचरा लेकर पहुंचती है तो यहां गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने का कोई इंतजाम नहीं किया गया है। जिससे स्वच्छता अभियान के दावों की पोल खुल रही है।

चांडक चौक से घंटाघर मार्ग पर महीनों से नहीं हुई नाले-नालियों की सफाई

बजबजा रही गंदगी, संक्रामक बीमारियों का प्रकोप

चांडक चौक से तिलक राष्ट्रीय स्कूल होते हुए घंटाघर जाने वाले मार्ग पर बने नाले और नालियों की महीनों से सफाई नहीं हुई है। क्षेत्र के नागरिकों के साथ ही सामाजिक संगठनों द्वारा कईयों बार नगर निगम के अधिकारियों का ध्यान इस ओर दिलाया गया लेकिन सफाई की ओर ध्यान नहीं दिया गया है। लोगों का कहना है कि नालियों की सफाई नहीं होने से पूरे क्षेत्र में गंदगी बजबजा रही है और माहौल बदबूदार हो गया है। इसके अलावा संक्रामक बीमारियों का भी खतरा मंडरा रहा है। लोगों ने बताया कि नगर निगम द्वारा चांडक चौक से गर्ग चौराहा तक सड़क और नाले का निर्माण करवाया जा रहा है, इसके पहले नाले-नालियों की सफाई की मांग की गई है।

बड़वारा में मदहोश स्कूली बच्चों का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल

कटनी। भारत में बच्चों को देश के भविष्य रूप में देखा जाता है, लेकिन लाचार कानून व्यवस्था और समाज के बीच शराब माफिया की सक्रियता देश के भविष्य को खाई की तरफ धकेलने का काम कर रहा है, जहां एक तरफ सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत एवं दुरुस्त करने की कवायद में जुटी हुई है, वहीं दूसरी तरफ गली-गली बिक रही अवैध शराब सरकार के तमाम नीतियों एवं सपनों पर पानी फेरते नजर आ रही है। स्कूल से छुट्टी मिलते ही नाबालिक बच्चे अवैध पैकारियों का रुख कर रहे हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में 3 नाबालिक बच्चे शराब के नशे में आपस में झगड़ते नजर आ रहे हैं। दरअसल यह वीडियो

बड़वारा विकासखंड के विलायतकला ग्राम का बताया जा रहा है। वीडियो में दिख रहे तीनों बच्चे प्राथमिक और माध्यमिक शाला स्कूल में पढ़ते हैं, लेकिन स्कूल जाने की बजाए गांव में चल रहे अवैध मयखाने की की तरफ जाना पसंद कर रहे है। इन तीनों ने पेकारी में जाम पिया और अपने ही विद्यालय के समीप ड्रामा करना एवं एक दूसरे से झूमाझटकी करना शुरू कर दिया। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने इस वीडियो को अपने मोबाइल कैद कर व्हाट्सएप ग्रुपों पर शेयर कर दिया। लोगों के मुताबिक शराब माफिया के हौसले इतने बुलंद है कि शिकायत के बावजूद भी समाज में जहर बोने वाले शराब माफिया के खिलाफपुलिस कार्यवाही करने पर नाकाम रही।

14-15 को होगा प्रश्न पत्रों का वितरण

30 हजार 545 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे बोर्ड परीक्षाओं में

कटनी। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा संचालित हाईस्कूल कक्षा दसवी एवं हायर सेकेंडरी कक्षा बारहवीं के प्रश्न पत्रों का वितरण आगामी 14 एवं 15 फरवरी को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधवनगर से किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी पृथ्वीपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियां अंतिम दौर पर पहुंच गई है। परीक्षा केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल से कक्षा दसवी और बारहवीं के प्रश्नपत्र कटनी पहुंच चुके हैं। प्रश्नपत्रों को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधवनगर स्थित स्ट्रांगरूम में रखवाया गया है। डीईओ ने बताया कि 14 फरवरी को विजयराघवगढ़, बड़वारा, बहोरीबंद एवं ढीमरखेड़ा विकासखंड एवं 15 फरवरी को कटनी और रीठी विकासखंड के प्रश्नपत्रों का वितरण किया जाएगा। गौरतलब है कि बोर्ड परीक्षाएं आगामी 17 फरवरी से शुरू हो रही है। इसके लिए जिले में 101 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जहां दसवीं के 18 हजार 922 एवं बारहवीं के 11 हजार 623 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। माशिमं ने छात्रों के प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं।

बिजली लाइनों की शिफ्टिंग नहीं होने से अटका मझगवां ओव्हरब्रिज का काम

एक महीने पहले जारी हुए आदेश, विद्युत विभाग और ओएंडएम की उदासीनता

कटनी। कटनी-बीना रेलखंड पर मझगवां स्टेशन के पास कटनी-रीठी मार्ग पर बन रहे ओव्हर ब्रिज के निर्माण में बेवजह लेटलतीफी का मामला सामने आया है। ओव्हर ब्रिज का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है, लेकिन बिजली लाइनों की शिफ्टिंग नहीं हो पाने की वजह से निर्माण एजेंसी को काम पूरा करने में कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक बिजली लाइनों की शिफ्टिंग के लिए राज्य सरकार के साथ ही स्थानीय स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा भी निर्देशित किया जा चुका है, इसके बावजदू पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड एवं ओएंडएम के अधिकारियों द्वारा उदासीनता का परिचय दिया जा रहा है। यही कारण है कि मझगवां ओव्हर ब्रिज का काम अब तक पूरा नहीं हो पाया है।

गौरतलब है कि कटनी-रीठी सड़क मार्ग पर मझगवां रेलवे फाटक बंद रहने की वजह से शहवासियों सहित रीठी, दमोह जिले के लोगों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ता था। कई बार एक घंटे से अधिक समय तक फाटक बंद रहता था। कई वर्षों से फ्लाइओवर की मांग की जा रही थी। यशभारत द्वारा भी कईयों बार राहगीरों व वाहन चालकों की समस्या को उजागर किया गया, जिसके बाद मझगवां में ओव्हर ब्रिज निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई और वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद फ्लाइओवर का निर्माण शुरू किया गया। बताया जाता है कि मप्र सेतु निगम की देखरेख में फ्लाइओवर का निर्माण कराया गय है। रेलवे द्वारा ट्रैक के ऊपर वाले हिस्से में बो-इस्टिंग डालकर धनुषाकार गार्डर रखकर फ्लाइओवर का निर्माण किया गया। इनको क्रेन के माध्यम से रखा गया था। जानकारी के मुताबिक मझगवां ओव्हर ब्रिज का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है। एप्रोच रोड का भी कराय जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक निर्माण एजेंसी द्वारा ब्रिज का काम पूर्ण किए जाने के बाद अब बिजली लाइनों की शिफ्टिंग के लिए पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी एवं ओएंडएम के अधिकारियों से कहा गया था। इसके अलावा ब्रिज कार्पोरेशन के अधिकारियों ने भी इस मामले में जल्द कार्यवाही का आग्रह किया था, इसके बाद भी अब तक बिजली लाइनों की शिफ्टिंग नहीं हो सकी है। जिसके चलते ब्रिज बनने के बाद भी लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। बताया जाता है कि बिजली लाइनों की शिफ्गिं यदि समय पर हो जाती तो एक महीने पहले ओव्हर ब्रिज से आवागमन शुरू हो जाता और लोगों को मझगवां फाटक बंद रहने और जाम की वजह से हो रही परेशानियों से निजात मिल जाता।

कोरोनाकाल में रात दिन की ड्यूटी, अब बाहर निकाल रहे

पिछले दो सालों से सेवा में लगे अस्थाई कर्मचारियों का छलका दर्द

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, संविदा नियुक्ति देने की मांग

कटनी। पिछले दो सालों से कोरोना संक्रमण के चलते लगातार सेवाएं दे रहे अस्थायी कर्मचारियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम एक ज्ञापन अपर कलेक्टर को सौंपकर संविदा नियुक्ति दिए जाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि सम्पूर्ण प्रदेश में राज्य शासन द्वारा 8000 से अधिक स्वास्थ्य कर्मचारियों को कोविड महामारी की रोकथाम के लिए भर्ती किया गया था। महामारी के प्रकोप को देखते हुए शासन द्वारा समय-समय पर इनका कार्यकाल बढ़ाया जाता रहा है लेकिन कोई भी अस्थाई भर्ती दो या तीन माह के लिए होती है। जिससे अस्थायी कर्मचारियों को मानसिक तनाव के साथ ही कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि जब हम इस महामारी पर विजय श्री की ओर बढ़ रह हैं, उस पर हम लगभग काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं, तब हमें शासन द्वारा बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। हमें निकालकर नई संविदा भर्तियों द्वारा रिक्त स्थान पर ज्वाईनिंग देने की तैयारी शासन एवं एनएचएम द्वारा की जा रही है। शासन द्वारा कहा जाता है कि बजट नहीं है तो फिर नई भर्तियां कैसे हो रही है। यदि बजट नहीं है, तो भर्तियों को रोककर उन रिक्त स्थानों पर संविदा में नियुक्ति दी जा सकती है। शेष खाली पदों पर नई भर्तियों द्वारा रिक्त पदों की पूर्ती की जा सकती है। स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती शासन एवं एनएचएम गाईड लाइन के अनुसार कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा समिति बनाकर मैरिट एवं साक्षात्कार लेकर की गई थी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा फार्माशिस्ट के पद भी जल्द से निकाले जाने की मांग की गई है। उन पदों पर कोविड-19 में कार्यरत एवं कोविड-19 से हटाये गये फार्मासिस्टों को संविदा नियुक्ति प्रदान की जाए। सीएमएचओ के अंतर्गत आने वाली भर्ती में आयुष के सभी डाक्टरों को मान्यता दी जाए। आयुर्वेदिक, होमोपैथिक, डेन्टल आदि फार्मासिस्ट को भी शामिल किया जाए। मप्र में भर्ती हो रहे सभी मेडिकल कालेजों में कोविड-19 द्वारा भर्ती हुए कर्मचारियों को 30 प्रतिशत अधिभार अंक दिया जाए। पूरे मध्यप्रदेश में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य चिकित्सा कोविड -19 में जो अस्थाई मानव संसाधन कर्मचारियों को 2 और 3 माह बढ़ाया जाता है, इसमें सभी सीएमएचओ और एओ अपनी मर्जी से बिना किसी मैरिट लिस्ट और जो पहले से कार्य कर रहे कर्मचारियों को हटाकर पैसे लेकर नये कर्मचारियों को रखा जा रहा है, पहले उन कर्मचारियों को लिया जाए, जो पहले से कार्यरत हैं, यदि फिर भी सीट खाली हो, तब नये लोगो को मैरिट लिस्ट बनाकर लिया जाए। सुचारू रूप से स्वास्थ्य व्यवस्था को चलने के लिए जल्द से जल्द कर्मचारियों को संविदा में विलय किया जाए।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला कटनी (म.प्र.)

पत्र क्रमांक 329 खनिज/2021 — कटनी, दिनांक 31.12022

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/ पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेसर्स/ श्री/श्रीमति पुष्पलता तिवारी निवासी मित्तल इन्क्लेव प्लाट नं 160 जिला कटनी (नाम एवं पता) द्वारा उत्खानपटटा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 09.02.2021 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक 991 दिनांक 26,02.2021 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः विज्ञापन प्रकाशित होने से 15 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपटटा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील ग्राम	खसरा नंबर	रकवा	भूमि का प्रकार शासकीय/निज	खनिज का नाम	रिमार्क
कटनी	कटनी बंडा	624	4.160	शसकीय/भूमि	मुरूम	
		कुल रकबा	4.160			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम,1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यह प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जी-22375/21

दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला कटनी

यदि आप तक समय पर यश भारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोनः- 230033

किराये से देना है

सिंगल रूम अटैच- 3000 प्रतिव्यक्ति
सर्विस वालों एवं ऑफिस के लिए- 5000 दो व्यक्ति
पता- बीजेपी कार्यालय के सामने
जबलपुर रोड बरगवां कटनी (म.प्र.)
मो. 8109417340

Dr
सी. आर. एम.
डे केयर क्लीनिक

डॉ. एस. के. शर्मा, एमडी (मेडिसिन)
वरिष्ठ चिकित्सा एवं छाती रोग विशेषज्ञ
पूर्व सिविल सर्जन, जिला अस्पताल
कटनी (म.प्र.) मो. 9425158548
सुबह 12 से सायं 4 बजे एवं रात्रि 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक
(रविवार अवकाश)

डॉ. अभिषेक शर्मा (एमबीबीएस)
डिप्लोमा इन कार्डियोलॉजी (पी.जी.डी.सी.सी.) फैलोशिप इन डायबिटिस,
हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ, पूर्व फीजिशियन जिला अस्पताल
कटनी म.प्र. मो. 8826395999 -
परामर्श समय : सुबह 10:30 बजे से दोपहर 04:30 बजे एवं सायं 06:30 बजे से रात्रि 08:30 बजे तक एवं रविवार प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक

सुविधाएं- ई.सी.जी., टी.एम.टी./ट्रेड मिल टेस्ट, इकोकार्डियोग्राफी, एक्सरसाइज स्ट्रेस इकोकार्डियोग्राफी डोबुटामिन स्ट्रेस इकोकार्डियोग्राफी एवं एक्सरे, पैथोलॉजी, पी.एफ.टी. (फेफड़े की जांच)

पता- डॉ. शर्मा तिराहा, बिहारी सोनी मार्केट, पुरानी बस्ती, आजाद चौक, कटनी, (म.प्र.) फोन- 07622-225824, 8826395999

mgm HOSPITAL
एम.जी.एम. में अब जनरल सर्जन एवं पेट रोग विशेषज्ञ अब 24 घण्टे उपलब्ध।

Our Specialist
डॉ.एस.के.सिंह
M.B.B.S., M.S.
सीनियर जनरल एण्ड लेप्रोस्कोपी सर्जन
पूर्व चिकित्सक-
पोद्दार हॉस्पिटल , कोलकाता।
25 वर्ष का दूरबीन सर्जरी एवं अन्य सर्जरी का अनुभव।
आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत इलाज एवं ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध।
For Appointment call or Visit
OPD Timing - Everyday 10:30AM to 02:30PM & 05:30PM-09:00PM
एम.जी.एम. HOSPITAL
कचहरी चौक, फारेस्ट प्ले ग्राउंड के सामने, कटनी (मप्र) 483501
फोन नं: 07622-405070-71-72
Email: info@mgmhospitalkatni.com
Website: www.mgmhospitalkatni.com

विजयराघवगढ़ के दो बायपास को मिल सकती है मंजूरी

14 मार्च को विधानसभा में पेश होगा बजट, स्वीकृति दिलाने निरंतर सक्रिय हैं विधायक संजय पाठक

कैमोर। आगामी मार्च माह में राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में पेश किये जाने वाले वार्षिक बजट में विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कैमोर-विजयराघवगढ़ एवं बरही बायपास मार्ग को स्वीकृति मिलने के आसार हैं। इन दो बायपास मार्गों के अलावा क्षेत्र के और भी आधा दर्जन से अधिक सड़क निर्माण के प्रस्तावों को राज्य शासन से बजट आवंटन प्राप्त होने का इंतजार है।

गौरतलब है कि कैमोर एवं विजयराघवगढ़ में वैकल्पिक मार्ग नहीं होने के कारण सभी तरह के भारी वाहन घनी आबादी के बीच से होकर निकलते हैं। केमोर के मुख्य मार्ग में दोनों ओर आवासीय कालोनी के साथ-साथ आधा दर्जन से भी अधिक शैक्षणिक संस्थान, बैंक, अस्पताल, पोस्ट ऑफिस, खेल मैदान आदि सार्वजनिक स्थल है जहां बच्चों एवं बुजुर्गों का भी आना-जाना बना रहता है। छोटे बच्चों के स्कूली वाहन भी इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। अन्य कोई मार्ग नहीं होने के कारण भटूरा, हरैया आदि क्षेत्रों में संचालित दर्जनों खदानों एवं क्रेशर से गिट्टी पत्थर लेकर निकलने वाले ट्रक, डंपर और हाइवा भी इसी मार्ग से निकलते हैं। आधा सैकड़ा से भी अधिक यात्री बसें भी इसी मार्ग से होकर अपने गंतव्य तक पहुंचती हैं।

कैमोर के अलावा विजयराघवगढ़ में तो स्थिति और भी खतरनाक है। विजयराघवगढ़ में आजाद चौक से लेकर अंधा मोड़ और आग संकटमोचन चौराहे तक जहां मार्ग अत्यंत सकरा है वहीं मार्ग के दोनों ओर सटकर व्यवसायिक प्रतिष्ठान एवं आवासीय भवन स्थित हैं। मार्ग सकरा होने के साथ-साथ बगल से नाली भी गुजरती है। कैमोर से कटनी तथा बरही उमरिया की ओर आने जाने वाले सभी प्रकार के बड़े वाहन इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। इन भारी भरकम बल्कर एवं ट्रेलर वाहनों के कारण जहां आये

दिन यहां जाम की स्थिति निर्मित होती रहती है वहीं दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। बरही क्षेत्र में भी शहडोल उमरिया की ओर से कैमोर अथवा मैहर क्षेत्र में स्थित सीमेंट उद्योगों के लिए कच्चा माल लेकर आने-जाने वाले भारी वाहन आबादी के बीच से होकर गुजरते हैं। इन भारी वाहनों के कारण विजयराघवगढ़ विधान सभा क्षेत्र के इन तीनों प्रमुख नगरों में यातायात की समस्या काफी लंबे समय से चली आ रही है। पूर्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बरही, विजयराघवगढ़ एवं कैमोर आगमन पर क्षेत्रीय विधायक संजय सत्येंद्र पाठक द्वारा उनके समक्ष यह समस्या मंच के माध्यम से उठाई गई थी। साथ ही कैमोर, विजयराघवगढ़ एवं बरही के लिए बायपास मार्गों की मांग रखी गई थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इस समस्या को स्वीकार करते हुए इसके निराकरण के लिए बायपास स्वीकृत करने का आश्वासन दिया था। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद से क्षेत्र के नागरिक बायपास का इंतजार कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैमोर - विजयराघवगढ़ बायपास के लिए सर्वे कराया जा चुका है। 15 जुलाई 2021 में बायपास के लिए डीपीआर तैयार कर मुख्य अभियंता जबलपुर द्वारा राज्य शासन को भेजी जा चुकी है। पिछले साल पूरी उम्मीद थी पर कोरोना संकट एवं अन्य आर्थिक परेशानियों के चलते इन्हें बजट में स्वीकृति प्राप्त नहीं हो सकी। इसी तरह 80 करोड़ की लागत से बनने वाले बरही बायपास मार्ग के लिए भी प्रस्ताव तैयार कर लोक निर्माण विभाग द्वारा राज्य शासन को भेजा जा चुका है। इन प्रस्तावों को प्रशासनिक स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। अब केवल इन प्रस्तावों को बजट में शामिल कर इनके लिए बजट प्रावधान किये जाने का इंतजार है। सूत्रों ने बताया कि मध्यप्रदेश का बजट सत्र आगामी मार्च माह में 7 तारीख से शुरू होगा। पूर्व में 10 मार्च को बजट प्रस्तुत किये जाने की चर्चा थी, पर 10 मार्च को उत्तरप्रदेश समेत 5 राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों का परिणाम घोषित होने के चलते अब 14 मार्च को बजट प्रस्तुत करने की बात कही जा रही है।

कैमोर-विजयराघवगढ़ एवं बरही में बायपास को स्वीकृति दिलाने क्षेत्रीय विधायक संजय सत्येंद्र पाठक कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहे। पिछले महीनों में ही उन्होंने इसके लिए न केवल मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आग्रह किया था वरन मुख्यमंत्री से भेंट कर उनसे इस बार इन मार्गों को बजट में शामिल किये जाने की गुजारिश भी की थी। माना जा रहा कि बायपास के ये दोनों प्रस्ताव राज्य शासन के बजट में शामिल हो सकते हैं।

इन मार्गों को भी है स्वीकृति का इंतजार

कैमोर, विजयराघवगढ़ एवं बरही बायपास मार्ग के अलावा पिपरिया-बगैहा-नदावन मार्ग, लुरमी-बनगवां-डुकरिया मार्ग, विजयराघवगढ़-कारीतलाई मार्ग, बदबदी टोला-झुकेही-शाहनगर मार्ग, हरदुआ-पड़खुरी मार्ग, संघवारा-अमुवारी मार्ग, नन्हवारा-गौरहा मार्ग के भी प्रस्ताव शासन के पास लंबित हैं।

बकाया करों की वसूली के लिए गुरूनानक वार्ड में लगा शिविर

निगम कोष में जमा हुए 146455

कटनी। वित्तीय वर्ष के समापन पर नगर निगम का पूरा ध्यान लंबित करों की वसूली पर है। इसके लिए जहां नगर निगम द्वारा कार्यालय में विशेष काउंटर खोला गया है वहीं विभिन्न वार्डों में शिविर लगाकर ही बकाया करों

की वसूली की जा रही है। प्रशासक एवं कलेक्टर प्रियंक मिश्रा तथा निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे द्वारा कर वसूली अभियान की लगातार समीक्षा की जा रही है। इसी कड़ी में गत दिवस रविवार को भी निगम के कंप्यूटर कक्ष में सेवाएं निरंतर जारी रखी जाकर नगारिकों को बकाया करों को जमा करने की सुविधा प्रदान की गई। प्रभारी अधिकारी राजस्व, जागेश्वर पाठक ने बताया कि रोजाना आयोजित किये जाने वाले शिविरों के तहत गुरूनानक वार्ड स्थित कारगिल चौक गजानन काम्पलेक्स के पास शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर के दौरान निगम के राजस्व अमले द्वारा वार्ड के नागरिकों से संपर्क कर शिविर स्थल की जानकारी प्रदान करते हुए वार्ड में ही निगम के बकाया करों को जमा करने की अपील की गई। शिविर में आगंतुक करदाताओं के माध्यम से संपत्तिकर की 49 रसीद काटी जाकर 140615 रूपये तथा जलकर की 4 रसीद काटी जाकर 5840 रूपये कुल बकाया करों के रूप में 146455 रूपये निगम कोष में जमा किये गए।

कोल ट्राइव फाउंडेशन की कार्यकारिणी घोषित

कटनी। विगत दिवस शहीद बिरसामुंडा वार्ड में कोल समाज के समग्र विकास हेतु नवीन संगठन कोल ट्राइव फाउंडेशन का कार्यालय उद्घाटित किया गया। साथ ही संगठन की कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। पूर्व डायरेक्टर मानव संसाधन एवं विकास नई दिल्ली सोनेलाल कोल आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। डिप्टी कलेक्टर मायाराम कोल की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि द्वारा बिरसामुंडा के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। संगठन के उद्देश्य पर प्रकाश डालने के बाद कार्यकारिणी घोषित की गई। जिसमें संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलाराम गौंटिया, उपाध्यक्ष सूर्यप्रसाद कोल, सचिव अजय कुमार कोल, सहसचिव बलराम कोल एवं कोषाध्यक्ष संतोष कोल को बनाया गया। कार्यकारिणी के 30 सदस्य घोषित किये गए। उक्ताशय की जानकारी संगठन के सचिव अजय कोल द्वारा प्रदान की गई।

सबसे ज्यादा दस वेटलेंड उत्तरप्रदेश में

कटनी। गत 5 फरवरी को प्राचार्य डॉ. सुधीर खरे की मार्गदर्शन और अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉक्टर कुमुद श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में अर्थशास्त्र विभाग में जैव विविधता का परिचय महत्व तथा आर्द्र भूमियों का जैव विविधता के संरक्षण में योगदान के बारे में व्यापक परिचर्चा का आयोजन किया गया।

परिचर्चा में अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो. सुनील त्रिपाठी द्वारा जैव विविधता का परिचय, परिभाषा और जैव विविधता का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में छात्रों को व्यापक रूप से बताया गया। आर्द्रभूमियों के घटते क्षेत्रफल के कारण जैव विविधता में होने वाली कमी को रोकने और आर्द्रभूमियों के संरक्षण हेतु 2 फरवरी 1971 को ईरान के शहर रामसर में आयोजित सम्मेलन के बारे में बताया गया।

तिलक कॉलेज में जैव विविधता एवं आद्र भूमियों के महत्व पर परिचर्चा आयोजित

यह सम्मेलन 1975 से लागू हुआ और भारत इसमें 1982 में हस्ताक्षर किया। 2 फरवरी को सम्मेलन के आयोजन होने के कारण वर्ष 1975 से प्रत्येक वर्ष 2 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस के रूप में मनाया जाता है। आर्द्रभूमि में व्यापक रूप से जैव विविधता पाई जाती है। इसको देखते हुए विश्व में पर्यावरणीय महत्व की आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल के रूप में चिन्हित किया जाता है। भारत में फरवरी 2022 तक 49 आर्द्र भूमियों को रामसर स्थल के रूप में चिन्हित किया जा चुका है। वर्ष 2022 में भारत में दो रामसर स्थल चिन्हित किए गए जिस में खिजड़िया पक्षी अभयारण्य गुजरात और बखीरा वन्यजीव अभयारण्य उत्तर प्रदेश शामिल है। मध्य प्रदेश का एकमात्र आर्द्रभूमि भोज आर्द्रभूमि है जिसे वर्ष 2002 में रामसर स्थल के रूप में चिन्हित किया गया। चर्चा में बीए प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। चर्चा में यह भी बताया गया कि उत्तर प्रदेश में 10 रामसर स्थल हैं।

पवन अहिरवाल को मिला वित्त उपायुक्त का प्रभार

कटनी। मध्यप्रदेश शासन, वित्त विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेशानुसार पवन कुमार अहिरवाल, लेखा अधिकारी, जिला पंचायत की नवीन पदस्थापना नगर पालिक निगम, कटनी में उपायुक्त वित्त पद के विरूद्ध लेखा अधिकारी के रूप में की गई है। आदेश के परिपालन में श्री अहिरवाल द्वारा 31 जनवरी को पूर्वान्ह पदभार गृहण कर लिया गया है। निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे ने प्रशासकीय कार्य व्यवस्था की दृष्टि से मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 69 (4) के अंतर्गत वेष्ठित शक्तियों के अधीन पवन कुमार अहिरवाल, लेखा अधिकारी को उपायुक्त (वित्त) एवं प्रभारी अधिकारी - लेखा शाखा तथा प्रभारी अधिकारी, मुख्य स्थापना, शिक्षा स्थापना का दायित्व आबंटित कर नियमानुसार कार्य संपादन हेतु आदेशित किया है।

छात्राओं ने लिया जैविक खेती का प्रशिक्षण

कटनी। नई शिक्षा नीति के तहत उच्चशिक्षा विभाग से मिले निर्देशों के तहत प्रथम व फील्ड वर्क प्रोजेक्ट एवं इंटर्नशिप प्रशिक्षण हेतु शासकीय कन्या महाविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. साधना जैन एवं वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा अग्रवाल के मार्ग दर्शन में गत दिवस एक दिवसीय शैक्षाणिक भ्रमण का आयोजन नैगवा, बहोरीबंद में किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं को परियोजना कार्य के तहत श्याम गौरक्षा एवं जैविक

कृषि फार्म तेवरी ले जाकर जैविक खेती एवं वर्मी कम्पोस्टिंग के बारे में रामसुख दुबे जैविक कृषि विशेषज्ञ द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।

मास्क नहीं लगाने पर 3900 का जुर्माना

कटनी। निगम प्रशासन द्वारा कोविड - 19 संक्रमण के प्रसार को रोकने एवं बचाव हेतु जारी दिशा निर्देशों के परिपालन में नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों में कोविड अनुकूल व्यवहार न कर सार्वजनिक स्थलों में बिना मास्क के घूमने वालों पर चालानी कार्यवाही की जाकर लोगों को मास्क लगाकर सार्वजनिक स्थलों में निकलनें की समझाईश दी जा रही है। निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशों के परिपालन में नगर निगम के स्वास्थ्य अमले द्वारा कोविड संक्रमण के प्रसार को रोकने हेतु नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों में अभियान चलाकर मास्क का उपयोग न कर सार्वजनिक स्थलों में घूमने वालों पर 3900 रूपये की चालानी कार्यवाही की जाकर संबंधितों को मास्क लगाकर संक्रमण के प्रसार से स्वयं को सुरक्षित रखने की अपील की गई।

राम जानकी वार्ड में अभियान चलाकर की गई साफ-सफाई

कटनी। नगर में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था के उद्देश्य से निगम प्रशासन द्वारा रोजाना दो पालियों के माध्यम से नगर के व्यवसायिक स्थलों सहित रहवासी क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थलों की सफाई कराई जाकर व्यवस्था को सुचारू रखनें के प्रयास किये जा रहे है।

शासन के निर्देशानुसार चलाये जा रहे स्वच्छता संकल्प माह की आयोजित गतिविधियों के अन्तर्गत सर्वेक्षण अनुरूप नगर की सफाई व्यवस्था के साथ ही विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाकर नागरिकों से नगर की सफाई व्यवस्था में सहयोग प्रदान करने की अपील की जा रही है। प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी

नगर को स्वच्छ रखने नागरिकों से भी मांगा सहयोग

संजय सोनी नें बताया कि निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में नगर की सफाई व्यवस्था के साथ साथ रोजाना वार्डवार चलाये जा रहे सफाई अभियान के तहत रामजानकी हनुमान वार्ड में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्वच्छता दूतों की सामूहिक टीम के माध्यम से वार्ड के विभिन्न सार्वजनिक मार्गों की सफाई, कचरे के ढेरियों का उठाव सहित रोशन नगर में पूर्व पार्षद के निवास के पीछे, प्रेमनगर वंशकार बस्ती, शुक्ला आटा चक्की के पास, सोहन लाल चौधरी के घर के पास, प्रेमनगर रैन बसेरा के सामनें एवं वार्ड के अन्य स्थलों के नाले नालियों की सफाई का कार्य कराया जाकर सुगम पानी निकासी के प्रयास किये गए।

सार्वजनिक मार्गों सहित डिवाईडर एवं नाले-नालियों की कराई गई सफाई

नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों एवं मुख्य मार्गो बस स्टेण्ड परिसर, चांडक चौक एवं घंटाघर प्वाइंट, महात्मा गांधी वार्ड कनकने स्कूल के पास, मिशन चौक, एन.के.जे सब्जी मंडी, नदीपार, वीर सावरकर वार्ड मेन रोड, बरगवा ओव्हर ब्रिज के नीचे एवं झिंझरी मुख्य मार्ग व डिवाइडर की सफाई, राम जानकी हनुमान वार्ड स्थित प्रधान मंत्री आवास कॉलोनी व वार्ड के विभिन्न सार्वजनिक मार्गों, फारेस्टर वार्ड के विभिन्न स्थलों, उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर की सार्वजनिक गलियों सहित नगरीय एवं उपनगरीय वार्डो के विभिन्न मार्गो में डोर टू डोर कचरे के संग्रहण का कार्य किया गया। नगर के नाले-नालियों की सफाई व्यवस्था को सुचारू रखी जाकर सुगम पानी की निकासी की सुविधा के तहत नगर के विभिन्न स्थलों राम मनोहर लोहिया वार्ड आंगनबाडी केन्द्र के पास, बस स्टेण्ड हरिजन बस्ती की सार्वजनिक नालियों, जगमोहन दास वार्ड संतनगर मुख्य मार्ग, महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड मुख्य मार्ग, कटायेघाट मोड स्थित बडा नाला, कावसजी वार्ड भट्टा मोहल्ला शमशान भूमि रोड एवं कृष्ण मंदिर मोती ठेकेदार के सामने स्थित नाली की सफाई का कार्य कराया जाकर सुगम पानी निकासी के प्रयास किये गए।

न्यूनतम मूल्य में पाएं अधिकतम लाभ
यश भारत
कलर क्लासीफाइड

1 दिन	–	150/–
3 दिन	–	250/–
7 दिन	–	500/–
15 दिन	–	1200/–
30 दिन	–	1800/–

साईज– 5x1
आवश्यकता, खरीदना–बेचना
अपने व्यापार को बढ़ावा दें
बुकिंग हेतु संपर्क करें
यश भारत
कचहरी चौक, कटनी
फोन:– 07622–230033
Email :- katni@yashbharat.com

हत्यारे पिता-पुत्र को आजीवन कारावास

स्लीमनाबाद की घटना में एससी-एसटी न्यायालय ने सुनाया फैसला

कटनी। विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति(अत्याचार निवारण) अधिनियम न्यायालय ने स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम गुदरी में चार साल पहले हुई 32 वर्षीय कैलाश चौधरी की हत्या के आरोपी मनोहर पिता-पुत्र 59 वर्षीय मनोहर चक्रवर्ती व 33 वर्षीय रामकुमार चक्रवर्ती को आजीवन कारावास एवं तीन-तीन हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित करने का आदेश पारित किया है। प्रकरण में अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक जियालाल चौधरी ने पैरवी की। घटना दिनांक को आरोपियों ने बका, लोहे के पाइप से हमला कर कैलाश की हत्या कर दी थी। रिपोर्ट के बाद पुलिस ने हत्या एवं एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था। न्यायालय ने गवाहों के बयान, साक्ष्य एवं विशेष लोक अभियोजक के तर्कों से सहमत होते हुए धारा 302 आजीवन एवं में कारावास एक-एक हजार रुपये के अर्थदंड तथा एससी/एसटी एक्ट में भी आजीवन कारावास और दो-दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित करने का आदेश पारित किया। दोनों सजाएं एक साथ भुगताई जाएंगी।

बीज व्यापारी से 11 लाख की धोखाधड़ी

धान का बीज भेजने के नाम पर उज्जैन के कारोबारी ने की ठगी

कटनी। कोतवाली के घंटाघर क्षेत्र स्थित फसलों के बीज का व्यवसाय करने वाले दुकान संचालक से उज्जैन के एक व्यवसाई ने 11 लाख रुपए की धोखाधड़ी की है। पुलिस ने शिकायत पर उज्जैन के व्यवसायी के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार घंटाघर स्थित सुहाने बीज भंडार दुकान संचालक श्याम सुहाने ने पुलिस को बताया कि उज्जैन के संजना सीडस एंड बायोटेक वृंदावन धाम संतवेयर हाउस के प्रोपाराइटर जितेन्द्र सिंह से दो सौ टन धान का प्रमाणित बीज खरीदने के लिए एग्रीमेंट किया गया था। जिसके बाद यूनियन बैंक ऑफइंडिया का खाता नंबर उसके द्वारा दिया गया। एडवांस में रुपए मांगे गए। जिस पर उसके द्वारा बताए गए खाते में अलग-अलग किस्तों में उसके 11 लाख रुपए जमा करा दिए गए। बावजूद इसके अब तक धान का बीज नहीं भेजा गया। धान का बीज भेजने के लिए बार-बार कहा गया है लेकिन हर बार भेजने का आश्वासन ही दिया गया। धान का बीज अब तक नहीं भेजा गया। जितेन्द सिंह न तो धान का बीज भेज रहा है और न ही रुपए वापस कर रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जितेन्द्र सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कटनी। विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवत ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। जानकारी के अनुसार विजयराघवगढ़ के वार्ड क्रमांक 9 निवासी हलताफ हुसैन की बेटी दरकसा अलिया ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। दरकसा ने यह आत्मघाती कदम किन कारणों के चलते उठाया है, इसका खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस ने शव का पीएम कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

देवपद स्किन एवं हेयर क्लीनिक
डॉ. कनिका अग्रवाल
M.B.B.S. D.D.V. (Mumbai)
सौन्दर्य एवं चर्मरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक नानावटी हॉस्पिटल मुम्बई
कील मुहॉसे, दाद, खाज, खुजली, एलर्जी, टेनिंग, सफेद दाग, कुष्ठ रोग, मस्सा, तिल, कार्न वार्ट, सोराएसिस, एक्जीमा, एंटी एजिंग, नाखुन के रोग, बाल झड़ना, शिशु चर्मरोग, कान की सिलाई, पी.आर.पी केमिकल पीलिंग, मेडिफेशियल, डर्मारोलर
मिलने का समय-सुबह 9:30 बजे से दोप.11:30 बजे तक एवं सायं 4:30 बजे से सायं 7:30 बजे तक।
महावीर कीर्ति स्तंभ के सामने झंडा बाजार, कटनी मो. 7045044274

JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.

सभी प्रकार के ग्रेनाईट टाईल्स, इटेलियन मार्बल, सिन्क, कोटा, कड़प्पा पत्थर होलसेल रेट पर मिलने का एकमात्र स्थान
समर्थ मार्बल एण्ड ग्रेनाईट
पता- टीवीएस शोरूम के बाजू में जबलपुर रोड, बरगवां कटनी मो. 9425153498, 7067666668

Hire Vintage Car for Wedding
ROYAL VINTAGE
for Bride-Groom Entry & Auspicious Program
केवल 16000 में
Vintage Car Rent

Contact us @ Katni : Mr. Ajay 9754005830, 9575796008

बेचना है
आवासीय भूखंड क्षेत्रफल 56.5x वर्गफुट डायवर्टेड झिंझरी पुलिस लाइन के पास विक्रय करना है। वास्तविक खरीददार संपर्क करें
मो. 9329818900

JOB OPENING
Requirement/skills
1. Tally, 2. Micro-soft Excel, Word
3. Communication Skills
The Dinesh Goods Transport Co.
Address- Near Ajay Dall Mill Madhavnagar gate Acc Post Katni m.p.
For Application
Contact- Ayush Jain
Mo. 8989020207

बेचना है
द्वारका सिटी, बरगवां कटनी में पानी की टंकी के पास मकान नं. 236, 237 बेचना है। प्रत्येक 480 वर्गफुट का स्वतंत्र मकान छत सहित। एक कमरा, किचिन, लेटबाथ, के साथ बरामदा (क्लोज) तत्काल बेचना है। शीघ्र संपर्क करें-
मो. 9977761441
9425859026

पोस्ट कोविड समस्याओं के सही इलाज के लिए मिलें Pulmonologist
डॉ. स्मिता बजाज
MBBS, DTCD, CCEDM
टी.बी., दमा, श्वास, खांसी, एलर्जी एवं डायबटीज स्पेशलिस्ट
मौसम बदलने पर बार-बार खांसी आना, साल भर सर्दी बने रहना, एलर्जी की शिकायत होना एवं नींद में सीटी की आवाज आना
नोट- स्पायरोमीटरी (फेफड़ों की कम्प्यूटरीकृत जांच) एवं (एलर्जी टेस्टिंग) की सुविधा उपलब्ध है।
संपर्क करे- डॉ. राजीव बजाज (शिशु रोग विशेषज्ञ)
कन्हैया हास्पिटल, माई नदी के पास बरही रोड, कटनी
फोन-07622-236253, मो. 6266203009

रत्ना मैरिज गार्डन
मुड़वारा स्टेशन के पास
शहर के मध्य सुविधाओं से युक्त विशाल परिसर
बजट आपका व्यवस्था हमारी
एक बार अवश्य पधारें
शादी विवाह व अन्य आयोजन के लिए 100 व्यक्तियों के ठहरने की उत्तम व्यवस्था, जनवासा अलग से
पानी, बिजली और पार्किंग की बेहतर व्यवस्था

पाठक वार्ड, कटनी
संपर्क :- 9425466630, 7999523588
शहर के मध्य क्षेत्र में मीटिंग, कान्फ्रेंस, बर्थ-डे पार्टी एवं अन्य बड़े आयोजनों के लिए बेहतर स्थान
कोरोना गाइड लाइन के तहत ही सभी कार्यक्रम का आयोजन होगा

U-TURN
END OF THE Season SALE
UPTO 50% Off
On Selected Merchandise
U-TURN, 1st & 2nd floor, Near Main Railway Station, Barhi Road, Katni (M.P.) Tel : 07622 422412

यश भारत को 16वें वर्ष के प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाएं
MIDWAY TREAT
MADHYA PRADESH TOURISM BOARD
मिडवे ट्रीट एम.पी. टूरिज्म सेंचुरी

सात्विक भोजन के साथ ठहरने की उत्तम व्यवस्था के साथ
रेस्टारेंट | होटल | रिसॉर्ट
पूर्ण अमृत गौशाला
बुढ़ा गुबरा, सिंग्रामपुर और गुबरा के मध्य में, दमोह रोड(म.प्र.)
SANKALP JAIN - 8120921921

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666 फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)